Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 19-05-2006

Participants : Kumar Shri Shailendra

Title : Situation arising out of rise in cement prices in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : माननीय सभापति महोदय, मैं सरकार का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण विाय की ओर दिलाना चाहता हूं।

(Dr. Satyanarayan Jatiya in the Chair)

-

देश में सीमेंट के दामों में अचानक वृद्धि के कारण निर्माण कार्य और रोज़गार प्रभावित हो रहे हैं। वर्ा 2003-05 के दौरान सीमेट के दाम प्रति बोरी 125 रुपये से 145 रुपये के बीच में रहे लेकिन दिसम्बर, 2005 आते-आते यह दाम प्रति बोरी 225 रुपये तक पहुंच गये। माननीय मंत्री जी का एक वक्तव्य समाचार-पत्रों में आया था कि सीमेंट के दाम 200 रुपये प्रति बोरी से ज्यादा नहीं होंगे. लेकिन सीमेंट के दाम 225 रुपये प्रति बोरी होने से निर्माण कार्य प्रभावित हुये हैं। उसी समयावधि में रोज़गार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि से संचालन कार्य और निर्माण कार्य बुरी तरह से प्रभावित हुये हैं। यह जानकारी हो कि एक्साइज ड्यूटी, चीनी पत्थर और रॉयल्टी के दामों में कोई वृद्धि नहीं हुई है और न ही वैट में या रेल भाड़ा में कोई वृद्धि हुई है, न सींमेट की मांग बढ़ी है जिससे दाम बढ़ें।

मैं केन्द्र सरकार से मांग करना चाहता हूं कि सरकार तुरंत सीमेंट पर सीमा शुल्क समाप्त करे और सींमेंट उद्योग के अनैतिक व्यवहार और आचरण पर रोक लगाकर सीमेंट प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना करे ताकि सींमेंट के बढ़ते हुये दामों पर रोक लग सके। आप जानते हैं कि सीमेंट एक ऐसा पदार्थ है जिससे भारतर्वा के न केवल ग्रामीण क्षेत्र बल्कि शहरी क्षेत्र भी प्रभावित रहते हैं जहां निर्माण कार्य होते रहते हैं। अगर सीमेंट के दाम बढ़ते हैं तो इसकी चोरबाजारी होती है। इसलिये मैं सरकार से मांग करता हूं कि सीमेंट प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना की जाये जो सीमेंट के बढ़े हुये दामों पर नियंत्रण कर सके या कम से कम रेट फिक्स किये जा सकें ताकि निर्माण कार्य अवरुद्ध नहीं हो सकें और न ही रोज़गार प्रभावित हो सके।